दिनांक

मेला

दिवसः 117

शिक्षण–निर्देश :

'मेला' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से बातचीत करें।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया चाट का ठेला।
हमने जाकर खाई चाट,
ऐसे थे मेले के ठाठ।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया झूले वाला।
हमने जाकर झूले झूले,
मन में नहीं समाए फूले।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें एक खिलौने वाला।
लाए जाकर चार खिलौने,
रंग–बिरंगे बड़े सलोने।

घर के पास लगा था मेला,
हमने देखा मन भर मेला।

मेला

गुड़िया, गुनगुन दोनों साथ,
छोटू ने पकड़ा था हाथ।

मेला के थे ऐसे ठाठ।
झूले, ठेले, सुंदर हाट

रमेश थानवी

दिनांक

मेला

दिवस–118

शिक्षण–निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों से 'मेला' कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा मेले के बारे में बातचीत करें।

दिए गए शब्द से मिलते–जुलते शब्द लिखिए–

मेला	केला	राजा		घर	
चाट		मन		चार	
ढेला		पास		काँच	

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मेला कहाँ लगा था ?

(ख) आप किन–किन अवसरों पर मेले में गए हैं ?

(ग) आप मेले में क्या–क्या खाते हैं ?

(घ) आप मेले से कौन–कौन से खिलौने खरीद के घर लाते है ?

दिनांक

मेला

दिवस–119

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तरी द्वारा मेला में सावधानी बरतने वाली बातों पर चर्चा करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आप मेला में क्या–क्या देखते हैं ?

(ख) आप किसके साथ मेला जाते हैं ?

(ग) मेले में क्या–क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

सही शब्दों से रिक्त स्थानों को भरिए–

घर के पास लगा था .....

उसमें आया चाट का .....

हमने जाकर खाई .....

ऐसे थे मेले के .....

चित्र में रंग भरिए –

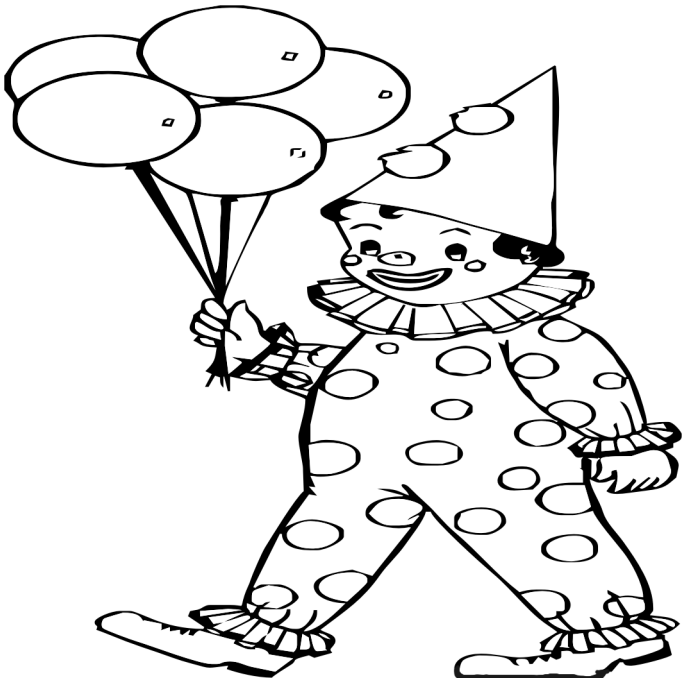

दिनांक

मेला

दिवस–120

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से विभिन्न प्रकार के झूलों के बारे में बातचीत करें।

चित्र देखकर वाक्य को पूरा कीजिए–

(क) मुझे ..... झूलने में मजा आता है।

(ख) मेरी बहन ..... के साथ खेलती है।

(ग) बारिश में ..... लेकर चलना चाहिए।

(घ) त्योहार में नए ..... पहनते हैं।

(ङ) दीपावली में हम ..... जलाते हैं।

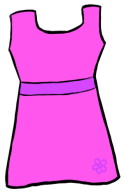

इनमें से आप किस–किस पर झूल सकते हैं उस पर (√) कीजिए–

(क) पेड़ पर ☐

(ख) माँ के पैरों पर ☐

(ग) चौकी (हेंगा) पर ☐

(घ) पिताजी की बाँह पर ☐

(ङ) रस्सी पर ☐

(च) पेड़ पर टँगे टायर पर ☐

अपने मनपसंद खिलौने का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए–

दिनांक

मेला

दिवस–121

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को वचन की समझ दें, जैसे–झूला–झूले, चूहा–चूहे आदि।

पढ़िए, समझिए और लिखिए–

एक	अनेक	एक	अनेक
(क) झूला	झूले	(ङ) मोती	मोतियाँ
(ख) खिलौना	.....	(च) बर्फी	.....
(ग) चूहा	.....	(छ) बकरी	.....
(घ) केला	.....	(ज) जलेबी	.....

रिक्त स्थानों को भरिए–

..... के पास लगा था मेला ,

उसमें आया ..... वाला।

हमने जाकर ..... झूले ,

मन में नहीं समाए ..... ।

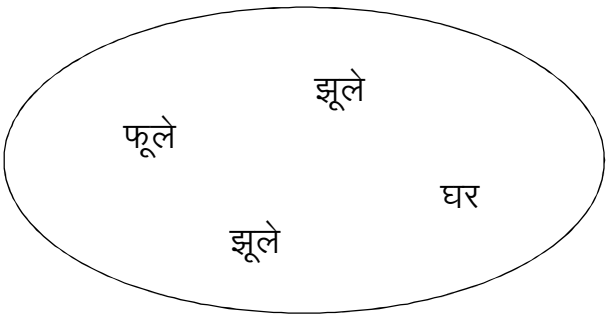

'हाँ' या 'ना' में उत्तर लिखिए –

(क) मुझे मेला जाना अच्छा लगता है। ☐

(ख) हमें बड़ों के साथ मेला जाना चाहिए। ☐

(ग) हमें मेला में खुली चीजों को खाना चाहिए। ☐

(घ) हमें मेला में छोटे भाई–बहनों का हाथ पकड़ कर चलना चाहिए। ☐

दिनांक | मेला | दिवस–122

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को अपनी क्षेत्रिय भाषा में मेला के बारे में बोलने को कहें।

रिक्त स्थानों को भरिए –

घर के _____ लगा था मेला,

हमने देखा _____ भर मेला।

गुड़िया, _____ दोनों साथ,

_____ ने पकड़ा था हाथ।

मेला के थे ऐसे _____

झूले, ठेले, सुंदर _____।

नीचे दिए गए शब्दों में (ँ) या (ं) लगाकर उस शब्द को फिर से लिखिए–

रग –	पूछ – .....
आख –	अगूर – .....
टोपिया –	जगल – .....

अपनी भाषा में आप इन वाक्यों को कैसे बोलेंगे ? बोलिए और लिखिए–

(क) घर के पास मेला लगा था। .....

(ख) हमने जाकर चाट खाई। .....

(ग) छोटू ने हाथ पकड़ा। .....

(घ) गुड़िया और गुनगुन दोनों साथ थे। .....

दिनांक

मेला

दिवस–123

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता का समवेत स्वर में गायन करवाएँ तथा कविता के शब्दों से वाक्य बनाने की समझ दें।

मेले में कौन–कौन आया था, जिसके पास बच्चे गए उसके बारे में लिखिए–

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

मेला–

चाट–

झूला–

खिलौना–

अगर आप मेला में जाएँगे तो किसे ले जाना चाहेंगे, उनके नाम लिखिए–

सही वाक्य के आगे (√) चिह्न तथा गलत वाक्य के आगे (X) का चिह्न लगाइए–

(क) कविता में मेला घर के पास लगा था। ( )

(ख) कविता में बच्चों के पास हाथी वाला आया। ( )

(ग) बच्चें झूला झूलकर उदास हो गए। ( )

(घ) छोटू ने गुड़िया और गुनगुन का हाथ पकड़ा। ( )

दिनांक

मेला

दिवस–124

शिक्षण–निर्देश :

पूरी कविता को प्रत्येक विद्यार्थी से बारी–बारी सुनें तथा कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ को समझाएँ।

आप मेले में से इनके लिए क्या–क्या खरीदेंगे–

माँ–

पिताजी–

भाई–

बहन–

मिलान कीजिए–

(क) फूला समाना	शान से रहना
(ख) बड़े सलोने	खुश होना
(ग) ठाठ से रहना	बहुत सुन्दर

मेले में किस–किस ने दुकान लगाई थी, उनके नाम लिखिए–

अपनी पसंद का चित्र बनाइए–

दिनांक

मेला

दिवस–125

शिक्षण–निर्देश :

प्रश्नोतरी द्वारा विद्यार्थियों से उनके मेला जाने के अनुभव के बारे में बातचीत करें।

चित्र में दिखाई जाने वाली किन्हीं सात वस्तुओं के नाम लिखिए –

मेला के बारे में लिखिए –